गोपाल राजू की पुस्तक, "तंत्र के सरल उपाय" से

मानसश्री गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
रुड़की (उत्तराखण्ड)
www.bestastrologer4u.com

शालिग्राम पूजन से प्राप्त करें सुख और समृद्धि

गंडकी नदी नेपाल से एक विशेष प्रकार का कंकड़ मिलता है। पौराणिक मान्यताओं के आधार पर इसको दैव रूप अथवा साक्षात् भगवान विष्णु स्वरूप माना गया है। इस दिव्य विग्रह के अनेकों रूप शास्त्रों में वर्णित हैं - सुदर्शन शिला, लक्ष्मी शिला, अतुल शिला, गणपति शिला, वाराह शिला आदि। देखा जाए तो कुल मिलाकर 1000 से भी अधिक अलग-अलग नाम से विग्रह मिल जाएंगे।

परन्तु इसका सर्वाधिक चर्चित नाम है शालिग्राम, शालग्राम (Ammonite fossile) अथवा शालिग्राम शिला।

गरुण पुराण में वर्णन आता है कि ईश्वर सर्वव्यापी हैं परन्तु उनका सबसे प्रिय स्थल शालिग्राम शिला है । स्कंधपुराण के अनुसार शालिग्राम अपने में एक स्वयं सिद्ध विग्रह है। इसके लिए किसी भी प्रकार की अन्य देवी-देवताओं के विग्रह, मूर्ति, पिण्ड आदि की तरह प्राण प्रतिष्ठा आदि की आवश्यकता नहीं है।

कहा गया है कि शालिग्राम के अपने विभिन्न रंग, रूप आदि के कारण इसको अनेकों नाम से जाना जाता है। यथा गोपाल शालिग्राम, कृष्ण शालिग्राम, चक्रधर शालिग्राम, श्रीधर शालिग्राम आदि। इनके स्पर्श मात्र से ही कोटि पापों का शमन हो जाता है।

पद्म पुराण के अनुसार देव, असुर और यक्ष का शालिग्राम में वास है। अध्यात्म में शालिग्राम को अत्यन्त पवित्र, देव तुल्य और सर्वसिद्धि प्रदायक विग्रह मानकर इसकी पूजा-अर्चना का विधान है।

तंत्र क्षेत्र में शालिग्राम का अनेक ग्रथों में उपयोग बताया गया है। यदि आस्था एवं नियमानुसार शालिग्राम का उपयोग किया जाए तो अनेकों प्रकार के सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस दिव्य और गुप्त-सुप्त विग्रह के कुछ उपाय पाठकों के लाभार्थ दे रहा हूँ, अपने बुद्धि और विवेक से लाभ उठायें।

1. शालिग्राम के समीप हनुमान जी के लिए दीपदान करें, यह नाना प्रकार से भोग और लक्ष्मी जी की कृपा पाने का अचूक उपक्रम सिद्ध होगा।

2. शालिग्राम और श्रीयंत्र दोनों एक साथ अपनी पूजा में स्थापित कर लें। समस्त ऋद्धि और सिद्धि प्राप्त करने के आपके अनेकों मार्ग प्रशस्त होंगे।

3. शालिग्राम पर 'ऊँ श्री विष्णवे नमः' मंत्र जप करते हुए गंगा जल से अभिषेक किया करें। जल को किसी रोग से पीड़ित व्यक्ति को दिया करें। रोग में आशातीत लाभ दिखलाई देने लगेगा।

4. भवन में जहाँ तुलसा जी रखते हों वहाँ एक शालिग्राम भी स्थापित कर लें। सायंकाल नित्य विष्णु भगवान का

Gopal Raju

ध्यान करते हुए एक घी का दीपक वहाँ जला दिया करें, सुख-समृद्धि की वृद्धि के आपके मार्ग प्रशस्त होने लगेंगे। साथ में शालिग्राम पर तुलसी जल चढ़ाना अत्यन्त शुभ सिद्ध होने लगेगा।

5. सोमवार के दिन अपनी पूजा में एक शालिग्राम स्थापित कर लें। नित्य 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करके विग्रह को धूप, दीप तथा नैवेद्य अर्पित किया करें, दारिद्रय से हो रहे कष्टों से मुक्ति मिलने लगेगी।

6. शुक्लपक्ष की द्वादशी के दिन अपनी पूजा में एक शालिग्राम स्थापित कर लें। नित्य मौलश्री, जुही, बेल, कनेर, गुलाब अथवा मालनी के पुष्प विग्रह पर अर्पित करके मंत्र 'ऊँ श्री कराये नमः' का जप किया करें, हर प्रकार से आपका कल्याण होगा।